

शिक्षकों को प्रशिक्षण में दी गई श्री अन्न के महत्व की जानकारी



रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर - कृषि विभाग द्वारा मैथा बीआरसी में एकदिवसीय शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि भोजन में मोटे अनाजों का अधिक प्रयोग करें, क्योंकि इन अनाजों में अन्य अनाजों की तुलना में प्रोटीन, वसा एवं खनिज लवण अधिक मात्रा में होते हैं। उन्होंने बताया कि इस समय मोटापा, शुगर, अर्थराइटिस जैसी अनेक बीमारियां व्यापक रूप से लोगों में हो रही हैं। इन

बीमारियों से मुक्ति पाने के लिए आवश्यक है कि श्री अन्न (मोटे अनाजों) का प्रयोग करें। उन्होंने कहा है कि इन अनाजों में रोगों से लड़ने की क्षमता भी होती है। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि वह अभिभावकों को इस संबंध में अवगत कराकर छात्रों को मोटे अनाज खाने हेतु प्रेरित करें। इस अवसर पर बीज प्रभारी दीपक कुमार तथा टीएसी सूर्य प्रताप सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। उधर विकासखंड परिसर सरवन खेड़ा में शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें

मिलेट्स पुनरुद्धार योजना के तहत स्कूल के अध्यापकों को अन्न के महत्व एवं उपयोगिता विषय पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षक डॉक्टर आरएल आर्या ने कहा कि छात्र छात्राओं को मोटे अनाजों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने सरल शब्दों में कहा कि ज्वार, बाजरा, सांवा, कोदो, रागी आदि को मोटे अनाजों में शामिल किया गया है। इस अवसर पर गोदाम प्रभारी श्री प्रद्युम्न यादव, सुभाष चंद्र, संदीप कुमार सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

दीक्षालय प्रवाह

वर्ष : 02 अंक : 115 कानपुर, 28 सितम्बर, 2024 पेज-8 मूल्य : 3 रुपये > पढ़ें पेज 3 पर

शिक्षकों को प्रशिक्षण में दी गई श्री अन्न के महत्व की जानकारी



(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। कृषि विभाग द्वारा मैथा बीआरसी में एकदिवसीय शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि भोजन में मोटे अनाजों का अधिक प्रयोग करें, क्योंकि इन अनाजों में अन्य अनाजों की तुलना में प्रोटीन,

वसा एवं खनिज लवण अधिक मात्रा में होते हैं। उन्होंने बताया कि इस समय मोटापा, शुगर, अर्थराइटिस जैसी अनेक बीमारियां व्यापक रूप से लोगों में हो रही हैं। इन बीमारियों से मुक्ति पाने के लिए आवश्यक है कि श्री अन्न (मोटे अनाजों) का प्रयोग करें। उन्होंने कहा है कि इन अनाजों में रोगों से

लड़ने की क्षमता भी होती है। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि वह अभिभावकों को इस संबंध में अवगत कराकर छात्रों को मोटे अनाज खाने हेतु प्रेरित करें। इस अवसर पर बीज प्रभारी दीपक कुमार तथा टीएसी सूर्य प्रताप सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 28 सितम्बर • 2024

शिक्षकों को प्रशिक्षण में दी अन्न के महत्व की जानकारी



भाग द्वारा प्रशिक्षण में शिक्षकों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

फोटो : एसएनबी

पुर (एसएनबी)। कृषि विभाग द्वारा मैथा
सी में शिक्षकों के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर
योजन किया गया। शिविर में प्रशिक्षण में कृषि
क डॉ. खलील खान ने बताया कि भोजन में मोटे
ाँ का अधिक प्रयोग करें, क्योंकि इन अनाजों में
अनाजों की तुलना में प्रोटीन, वसा एवं खनिज
अधिक मात्रा में होते हैं। उन्होंने बताया कि इस
मोटापा, शुगर, अर्थराइटिस जैसी अनेक

वीमारियां व्यापक रूप से लोगों में हो रहीं हैं। इन
वीमारियों से मुक्ति पाने के लिए आवश्यक है कि श्री
अन्न मोटे अनाजों का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि इन
अनाजों में रोगों से लड़ने की क्षमता भी होती है। उन्होंने
शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि वह अभिभावकों
को इस संबंध में अवगत कराकर छात्रों को मोटे अनाज
को खाने के लिये प्रेरित करें। यहां वीज प्रभारी दीपक
कुमार तथा टीएसी सूर्य प्रताप आदि शिक्षक थे।

राष्ट्रीय स्वरूप

28/09/2024

शिक्षकों को प्रशिक्षण में दी गई श्री अन्न के महत्व की जानकारी

कानपुर । कृषि विभाग द्वारा मैथा बीआरसी में एकदिवसीय शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि भोजन में मोटे अनाजों का अधिक प्रयोग करें, क्योंकि इन अनाजों में अन्य अनाजों की तुलना में प्रोटीन, वसा एवं खनिज लवण अधिक मात्रा में होते हैं। उन्होंने बताया कि इस समय मोटापा, शुगर अर्थराइटिस जैसी अनेक बीमारियां व्यापक रूप से लोगों में हो रही हैं। इन बीमारियों से मुक्ति पाने के लिए आवश्यक है कि श्री अन्न (मोटे अनाजों) का प्रयोग करें। उन्होंने कहा है कि इन अनाजों में रोगों से लड़ने की क्षमता भी होती है। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि वह अभिभावकों को इस संबंध में अवगत कराकर छात्रों को मोटे अनाज खाने हेतु प्रेरित करें। इस अवसर पर बीज प्रभारी दीपक कुमार तथा टीएसी सूर्य प्रताप सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

उधर विकासखंड परिसर सरवन खेड़ा में शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया

अनाजों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने सरल शब्दों में कहा कि ज्वार, बाजरा, सांवा,



गया। इसमें मिलेट्स पुनरुद्धार योजना के तहत स्कूल के अध्यापकों को अन्न के महत्व एवं उपयोगिता विषय पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षक डॉक्टर आरएल आर्या ने कहा कि छात्र छात्राओं को मोटे

कोदो, रागी आदि को मोटे अनाजों में शामिल किया गया है। इस अवसर पर गोदाम प्रभारी श्री प्रद्युम्न यादव, सुभाष चंद्र, संदीप कुमार सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

सत्य का असर समाचार पत्र

28,09, 2024jksingh,hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

सत्य का असर समाचार पत्र पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

शिक्षकों को प्रशिक्षण में दी गई श्री अन्न के महत्व की जानकारी



जितेंद्र सिंह पटेल पत्रकार सत्य का असर समाचार पत्र

कानपुर कृषि विभाग द्वारा मैथा बीआरसी में एकदिवसीय शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि भोजन में मोटे अनाजों का अधिक प्रयोग करें, क्योंकि इन अनाजों में अन्य अनाजों की तुलना में प्रोटीन, वसा एवं खनिज लवण अधिक मात्रा में होते हैं। उन्होंने बताया कि इस समय मोटापा, शुगर, अर्थराइटिस जैसी अनेक बीमारियां व्यापक रूप से लोगों में हो रही हैं। इन बीमारियों से मुक्ति पाने के लिए आवश्यक है कि श्री अन्न (मोटे अनाजों) का प्रयोग करें। उन्होंने कहा है कि इन

अनाजों में रोगों से लड़ने की क्षमता भी होती है। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि वह अभिभावकों को इस संबंध में अवगत कराकर छात्रों को मोटे अनाज खाने हेतु प्रेरित करें। इस अवसर पर बीज प्रभारी दीपक कुमार तथा टीएसी सूर्य प्रताप सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

उधर विकासखंड परिसर सरवन खेड़ा में शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें मिलेट्स पुनरुद्धार योजना के तहत स्कूल के अध्यापकों को अन्न के महत्व एवं उपयोगिता विषय पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षक डॉक्टर आरएल आर्या ने कहा कि छात्र छात्राओं को मोटे अनाजों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने सरल शब्दों में कहा कि ज्वार, बाजरा, सांवा, कोदो, रागी आदि को मोटे अनाजों में शामिल किया गया है। इस अवसर पर गोदाम प्रभारी श्री प्रद्युम्न यादव, सुभाष चंद्र, संदीप कुमार सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।



Forwarded



Forwarded



यूपी मेसेंजर

शिक्षकों को प्रशिक्षण में दी गई श्री अन्न के महत्व की जानकारी

कानपुर, कृषि विभाग द्वारा मैथा बीआरसी में एकदिवसीय शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि भोजन में मोटे अनाजों का अधिक प्रयोग करें, क्योंकि इन अनाजों में अन्य अनाजों की तुलना में प्रोटीन, वसा एवं खनिज लवण अधिक मात्रा में होते हैं। उन्होंने बताया कि इस समय मोटापा, शुगर, अर्थराइटिस जैसी अनेक बीमारियां व्यापक रूप से लोगों में हो रही हैं। इन बीमारियों से मुक्ति पाने के लिए आवश्यक है कि श्री अन्न (मोटे अनाजों) का प्रयोग करें। उन्होंने कहा है कि इन अनाजों में रोगों से लड़ने की क्षमता भी होती है। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि वह अभिभावकों को इस संबंध में अवगत कराकर छात्रों को मोटे अनाज खाने हेतु प्रेरित करें। इस अवसर पर बीज प्रभारी दीपक कुमार तथा टीएसी सूर्य प्रताप सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। उधर विकासखंड परिसर सरवन खेड़ा में शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें मिलेट्स पुनरुद्धार योजना के तहत स्कूल के अध्यापकों को अन्न के महत्व एवं उपयोगिता विषय पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षक डॉक्टर आरएल आर्या ने कहा कि छात्र छात्राओं को मोटे अनाजों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने सरल शब्दों में कहा कि ज्वार, बाजरा, सांवा, कोदो, रागी आदि को मोटे अनाजों में शामिल किया गया है। इस अवसर पर गोदाम प्रभारी श्री प्रद्युम्न यादव, सुभाष चंद्र, संदीप कुमार सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।